***Regarding need to take immediate stringent action to regulate severe industrial pollution in NCR rivers- Laid**

श्री अरुण गो वि ल **(मेरठ) :** मैं राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र तथा विशेष रूप से मेरठहापुड़ लोकसभा क्षेत्र की एक गंभीर समस्या की ओर सरकार का ध्यान आकृष्ट करना चाहता हूँ । एनसीआर की प्रमुख नदियाँयमु ना , काली और हिं डनऔद्योगिक प्रदूषण के कारण अत्यधिक दूषित हो चुकी हैं और उनका पानी पीने या सिंचाई लायक भी नहीं रह गया है । दिल्ली की माननीय मुख्यमंत्री जी द्वारा यमुना की सफाई के प्रयास सराहनीय हैं, परंतु एनसीआर में स्थित औद्योगिक इकाइयाँ, स्लॉटर हाउस, चीनी एवं पेपर मिलें तथा केमिकल फैक्ट्रियाँ बिना उपचारित अपशिष्ट जल नदियों में छोड़ रही हैं । 2019 में भारत सरकार द्वारा काली नदी की सफाई हेतु 682 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए, किंतु आज स्थिति और बिगड़ गई है । जहां-जहा सैं पल लि ए गए, वहा ऑक्सीजन की मात्रा शून्य पाई गई । केंद्रीय भूजल बोर्ड के अनुसार नदी के जल में पारा, जिं क, आर्सेनिक और फ्लोराइड अत्यधिक मात्रा में मौजूद हैं । NGT की रिपोर्टों में नदी किनारे स्थित गांवों में कैंसर पीड़ितों की संख्या चिंताजनक पाई गई है । औद्योगिक इकाइयों द्वारा प्रदूषित पानी जमीन में छोड़े जाने से भूजल भी गंभीर रूप से प्रभावित हुआ है, जिससे कैंसर, पीलिया, पेचिश, लिवर संक्रमण और त्वचा रोग बढ़ रहे हैं ।